इंडियनऑयल IndianOil | वर्ष 2022 हरित भविष्य की ओर | i2i Insight Inspire

हिंदी दिवस

14 सितंबर, 2022

निदेशक (विपणन)
विपणन प्रभाग, प्रधान कार्यालय, मुंबई

'हमारी भाषा हमारा प्रतिबिंब है।'
– महात्मा गांधी

प्रिय साथियो,

आप सभी को हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़े की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं !

आज़ादी के अमृत महोत्सव के उत्सव काल में जब हम अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं तो हमें स्वतंत्रता का वह नया सवेरा याद आता है जब भारतवासियों ने अपनी स्वतंत्र धरती पर, सपनों के आकाश में पहली उड़ान भरी थी। आज जब हम विश्व के अग्रिम पंक्ति के देशों में शामिल हैं, तो हमें अपने बुनियादी नीतियों एवं लक्ष्यों पर और आगे बढ़ना है। हमें अपने देश की विविधता भरी विरासत और इसे जोड़ने वाली भारतीयता की अमिट संस्कृति पर गर्व है, जिसका आधार हमारी एकजुटता है। वास्तव में आज़ादी का अमृत महोत्सव, भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान को प्रगति की ओर ले जाने वाले सभी प्रयासों का एक मूर्त रूप है।

स्वतंत्रता संग्राम में पूरे देश को जोड़ने के क्रम में हिंदी की महती भूमिका रही है। क्षेत्रीय भाषाओं के साथ घुलते–मिलते, हिंदी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पूरे देश को एकजुट करने का कार्य किया। यही कारण है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि **''हिंदी भारत देश की आत्मा है।''** देश की राजभाषा, जनता से संपर्क और सूचना के लिए स्वतंत्र देश की आरंभिक पहलों में से एक थी, जिसमें राज्यों की राजभाषा के साथ सभी भारतीय भाषाओं को सशक्त करने की अभिलाषा थी। यह एक लंबी पराधीनता के बाद देश को स्वावलंबी बनाने की पहल भी थी।

भाषा वास्तव में अपने भीतर एक विराट संस्कृति को समेटे होती है। भाषा हमें आपस में न केवल जोड़ती है, बल्कि अपनी सीमित दुनिया से बाहर के कई द्वार भी खोलती है। ऐसे में भाषा का सशक्त होना, एक पूरी संस्कृति का सशक्त होना है। आधुनिक तकनीक ने न केवल भारतीय संदर्भ में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भाषाओं के माध्यम से ज्ञान के व्यापक आदान–प्रदान को सक्षम बनाया है। जैसे–जैसे हमारी राजभाषा सशक्त होगी, वैसे–वैसे हमारे विकास के केंद्र में आम जन भी जुड़ता जाएगा ।

इंडियनऑयल देश की ऊर्जा के रूप में देश के कोने–कोने से जुड़ी है और हर परिस्थिति में जन–सहयोगी के रूप में प्रचलित है। चाहे ऊर्जा उत्पादों को जन तक पहुंचाना हो, या फिर आम जन के बीच महामारी, आपदा व अन्य विपरीत परिस्थितियों में राहत व बचाव कार्य में जुड़ना हो, इंडियनऑयल के रूप में हम हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसे में जन–संवाद तथा उनसे जीवन भर जुड़ने में जो भाषा मदद करती है, वह हिंदी ही है।

हिंदी को राजभाषा घोषित करने के इस महत्वपूर्ण दिन से आज हिंदी पखवाड़े का आरंभ हो रहा है। हिंदी दिवस से आरंभ करते हुए हिंदी पखवाड़ा मनाने का यह उद्देश्य है कि हम राजभाषा को न केवल अपने कामकाज में अधिक से अधिक अपनाएं बल्कि उसके विकास में अपना योगदान देकर गर्व का अनुभव करें। हमें अपने देश, अपनी संस्कृति और भाषाओं पर हमेशा गौरवान्वित होना चाहिए, क्योंकि यही हमारी अनोखी विशेषता और परंपरा रही है।

इंडियनऑयल, इस वर्ष को **''हरित भविष्य की ओर''** वर्ष के रूप में मना रहा है। अपनी नैसर्गिक प्रकृति की रक्षा व उसके संरक्षण का वृहद लक्ष्य अपने आप में हमें अपने भीतर की नैसर्गिक प्रकृति की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है । हम अपनी भाषाओं में ही अपनी भावनाओं और सपनों को मूर्त रूप देते हैं । ऐसे में अपनी भाषाओं का विकास ही हमारा वास्तविक विकास है, जिसे हमें अपने बुनियादी सरोकारों से जोड़ने की आवश्यकता है। इस में राजभाषा का एक अनूठा स्थान और महत्व है।

हमने इस वर्ष अपने कार्यालयों / लोकेशनों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी ई–टूल्स के अंतर्गत विभिन्न अनुप्रयोगों संबंधी 3 संक्षिप्त वीडियो जारी करने जैसा अभिनव प्रयास किया है, जिससे कॉर्पोरेशन में हिंदी कार्यान्वयन को निःसंदेह गति मिलेगी।

इंडियनऑयल अन्य क्षेत्रों की तरह हिंदी कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखे इसी शुभकामना के साथ आप सभी को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े की एक बार पुनः बधाई व शुभकामनाएं ।

जय हिंद,
जय हिंदी।

वी सतीश कुमार

वी सतीश कुमार
निदेशक (विपणन)